भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
कानपुर

इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

स्टार्टअप
इन्क्यूबेशन एंड
इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

अंक - 02

संस्करण- 10

अक्टूबर 2023

टेक की बात

भारत के लिए हेल्थटेक

सभी के लिए स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना

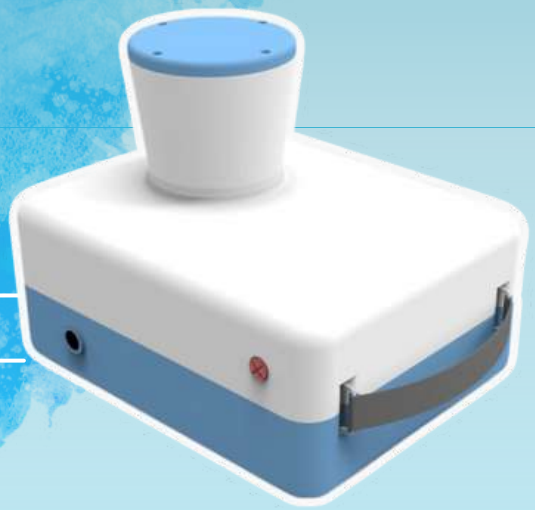

परामर्शदाता

मंत्र

श्री तरूण भार्गव

रणनीति, योजना, वित्तपोषण, शासन, जोखिम, नकदी प्रवाह प्रबंधन

पूंजी संचय

धन से संसार की गतिविधियां संचालित होती है ।

लेकिन यह भी सत्य है कि धन से सब कुछ नहीं खरीदा जा सकता है ।

'मुद्रा' या 'धन' 2500 वर्षों से अधिक समय से, वस्तुओं और सेवाओं के लिए, 'विनिमय माध्यम' के रूप में अस्तित्व में है। 'मुद्रा' से पहले वस्तुएं कुछ सीमाओं एवं कमियों के साथ विनिमय माध्यम के रूप में प्रचलित थी ।

नए व्यवसाय को शुरू करने के लिए 'पूंजी' की आवश्यकता होती है । पूंजी का मूल्यांकन व्यावसायिक जीवनचक्र के दौरान निरंतर चलने वाली प्रक्रिया होती है। स्थापित व्यवसाय व्यवस्थित तरीके से 3 से 5 साल की रणनीतिक योजनाएँ बनाते हैं, जो वार्षिक योजनाओं में विभाजित होती है ,और मासिक या तिमाही आधार पर संशोधित की जाती है।

पूंजी दो रूपों में आ सकती है - अंशधारिता (इक्विटी) और ऋण। अंशधारिता (इक्विटी) को ' जोख़िम पूंजी' कहा जाता है और यह वापस नहीं किया जा सकता है, जबकि ऋण एक 'निश्चितकाल' के लिए होता है और इसे ब्याज के साथ वापस करना होता है। किसी नए उपक्रम की आरंभिक पूंजी के स्रोत स्वयं, परिवार/ दोस्त, एक्सीलरेटर्स , सरकारी निकाय, एंजेल निवेशक, वेंचर कैपलिस्ट्(उद्यम पूंजीदाता), प्राइवेट इक्विटी (निजी अंशधारिता)और सार्वजनिक बाजार हो सकते हैं।

इसके आलावा दान, अनुदान और पुरस्कार इत्यादि भी शुरुआती स्तर पर स्टार्टअप फंडिंग के वैकल्पिक स्रोत होते हैं। इस क्षेत्र में कई सरकारी- गैर सरकारी संगठन, अल्ट्रा एचएनआई (अत्यंत धनवान व्यक्ति-Ultra HNI), शैक्षणिक संस्थान व कॉर्पोरेट्स भी सक्रिय हैं। पूंजीगत दान या अनुदान लेते समय, संस्थापकों के ज्ञान और कौशल के साथ-साथ उनकी व्यक्तिगत विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। संस्थापक की ईमानदारी, आत्म-विश्वास, मजबूत यकीन, और मिशन के प्रति पूर्ण समर्पण का कोई विकल्प नहीं है।वस्तु विनिमय से इक्विटी और ऋण की दिशा में बदलाव विस्तार क्षमता और मूल्य में बढ़ोत्तरी को दर्शाता है ,साथ ही जोखिम को कम करता है ।

मुख्य बिंदु :

- ☑ भारत सरकार ने 'स्टार्ट-अप इंडिया' प्रोग्राम के तहत पात्र स्टार्टअप को सशर्त ऋण उपलब्ध करवाने के लिए कई योजनाएं तैयार की हैं।
- ☑ प्रारंभिक चरण में स्थान, उपकरण, लाइसेंस और आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता अमूल्य होती है।
- ☑ कई सरकारी संगठन जैसे एनजीओ, अल्ट्रा एचएनआई, शैक्षणिक संस्थान, कॉरपोरेट और इनक्यूबेटर सक्रिय रूप से शुरुआती चरण में स्टार्टअप को फंडिंग प्रदान करते हैं।
- ☑ उत्पाद डिजाइन, प्रोटोटाइप, एमवीपी (Minimum Vaible Product-MVP) और एआरआर (Annual Recurring Revenu-ARR)उद्यम को एक निश्चित लक्ष्य तक ले जाते हैं।

विषय - सूची

मासिक समयरेखा

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर पूरे अक्टूबर महीने में संपन्न शानदार गतिविधियों पर गहराई से नज़र डालें।

अधिक जानकारी के लिए अनुभाग देखें.

पृष्ठ सं: 01

नवप्रवर्तकों से बात

इस खंड में उन अद्वितीय और उन्नत प्रौद्योगिकियों की खोज करें जिन्हें वर्तमान में एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर में विकसित किया जा रहा है।

स्टार्टअप के बारे में अधिक जानने के लिए आगे पढ़ें।

पृष्ठ सं: 02

कार्यक्रम की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें ।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 03-05

सफलता की कहानियां

इस भाग में उन प्रेरक स्टार्टअप्स के बारे में जानें जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से हमारे इनक्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।

अधिक जानने के लिए पढ़ें!

पृष्ठ सं: 06-07

आगामी अनुदान/कार्यक्रम/कार्यशालाएं

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में नवंबर के लिए निर्धारित आगामी कार्यक्रमों और कार्यशालाओं की जानकारी प्राप्त करें ।

पृष्ठ सं: 08

मासिक समयरेखा

अंक - 02 | संस्करण- 10 | अक्टूबर 2023

8 सितंबर 2023

एसआईआईसी (SIIC), ने आईसीआईसीआई बैंक (ICICI Bank) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

एएसआईआईसी (SIIC), ने आईसीआईसीआई बैंक (ICICI Bank) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है,जिसका उद्देश्य स्टार्टअप्स की डिजिटल क्षमताओं को मजबूत बनाना, अनुपालन को सुगम बनाना तथा नए अवसरों की खोज करना है। ICICI बैंक इन्क्यूबेटीज को फंड और गैर-फंड-आधारित आवश्यकताओं में सहायता प्रदान करेगा, साथ ही अपने वेंचर कैपिटलिस्ट (VCs), प्राइवेट इक्विटी(PE), फंड(Fund), उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों /अल्ट्रा हाई नेटवर्थ व्यक्तियों (HNI/UHNI) के व्यापक नेटवर्क का उपयोग करके उच्चस्तरीय निवेश के लिए सहयोग देगा।

26 सितंबर 2023

एसआईआईसी(SIIC) ने कश्मीर विश्वविद्यालय के साथ एक गैर-वित्तीय समझौता पर हस्ताक्षर किया

एसआईआईसी(SIIC) ने कश्मीर विश्वविद्यालय के साथ एक गैर-वित्तीय समझौता पर हस्ताक्षर किया है, जिसका उद्देश्य दोनों संस्थाओं के समानहितों के क्षेत्र में सहयोग करना है। यह साझेदारी सहयोगी संरचना को स्थापित करने के लिए है,ताकि वे प्रोग्राम लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें।

13 अक्टूबर 2023

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर और पूसा कृषि, ICAR-IARI ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर और पूसा कृषि, आईसीएआर (ICAR), - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) ने इन्क्यूबेटर्स का समर्थन करने ,स्टार्टअप को बढ़ावा देने, कृषि प्रगति और नवाचारों को प्रोत्साहन देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षरकर्ताओं में डॉ. विश्वनाथन चिन्नुसामी,आईएआरआई, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) और प्रोफेसर अंकुश शर्मा ,प्रभारी ,एसआईआईसी (SIIC) ,आईआईटी कानपुर शामिल थे।

लेनेक टेक्नोलॉजीज – भारत के लिए स्वास्थ्य तकनीक की नई संभावनाओं को तलाशना

सत्येंद्र चौधरी और चिराग अग्रवाल द्वारा 2021 में स्थापित लेनेक हेल्थकेयर एक भारतीय स्टार्टअप है जो सस्ती और उन्नत चिकित्सा उपकरण बनाने पर केंद्रित है। उनका उद्देश्य दूरदराज और शहरी क्षेत्रों सहित सभी क्षेत्रों में लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा सुलभ बनाना है। उन्हें प्रेरणा भारत में आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की आवश्यकता से मिली, जहां अधिकांश उपकरण आयात किए जाते है।

लेनेक टेक्नोलॉजीज, जिसमें आईआईटी के सात सदस्यों की एक टीम शामिल है, ने इस मुद्दे से निपटने का फैसला किया और भारत में उच्च तपेदिक (हाई ट्यूबरक्लोसिस) की समस्या का समाधान करने के लिए एक पोर्टेबल एक्स-रे टीबी स्क्रीनिंग डिवाइस को विकसित किया। हमने सह-संस्थापक चिराग अग्रवाल से उनके मिशन के बारे में बातचीत की।

एसआईआईसी: भारत में स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र कैसे विकसित हो रहा है?

सीए: लेनेक टेक्नोलॉजीज में, हम लगातार उन्नत स्वास्थ्य देखभाल निदान के नवीनीकरण का प्रयास कर रहे हैं जो तेज, सुविधाजनक और सभी के लिए सुलभ हो। चिकित्सा उपकरण स्वास्थ्य सेवा और इंजीनियरिंग के बीच अंतर को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मेडिकल इमेजिंग, विशेष रूप से, चुनौतीपूर्ण है और निदान में इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। इससे निपटने के लिए, इंजीनियरिंग और मेडिकल छात्र स्वास्थ्य सेवा के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण बनाने के लिए एक साथ आए है। निदान में सहायता के लिए भारत में पॉइंट-ऑफ-केयर समाधानों को व्यापक रूप से अपनाने में लोगों को सक्षम बनाने का हमारा लक्ष्य इस सहयोग की बदौलत एक वास्तविक स्वरुप में सामने आया है। इस दृष्टिकोण ने हमें अत्याधुनिक उत्पादों को विकसित करने और भारत में अनुसंधान और विकास पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में मदद की है।

एसआईआईसी: कृपया हमें लेनेक टेक्नोलॉजीज द्वारा विकसित उत्पादों का एक संक्षिप्त विवरण दें।

सीए: हमारी सरकार का लक्ष्य 2025 तक क्षय रोग (ट्यूबरक्लोसिस) को खत्म करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, प्रोफेसर अमिताभ बंदोपाध्याय, प्रोफेसर पार्थ सारथी सेन शर्मा, प्रोफेसर आदित्य केलकर और प्रोफेसर जे रामकुमार के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक स्वदेशी उत्पाद विकसित किया है ,जो एक अभिनव हैंडहेल्ड एक्स-रे डिवाइस के माध्यम से स्क्रीनिंग प्रक्रिया में सुधार करता है। इस उपकरण में उन क्षेत्रों में टीबी स्क्रीनिंग में महत्वपूर्ण बदलाव लाने की क्षमता है जहां संसाधन सीमित हैं। इसके अलावा, गतिशील विज़ुअलाइज़ेशन और अधिग्रहित एक्स-रे छवियों के साथ समायोजित कर उपयोगकर्ता के अनुकूल डेस्कटॉप एप्लिकेशन विकसित किया गया है। एआई समाधानों का उपयोग करके स्वचालित स्क्रीनिंग का उपयोग फेफड़ों की कुछ स्थितियों का पता लगाने के लिए भी किया जा रहा है, जिससे तेजी से बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग हो सकती है।

एसआईआईसी: एसआईआईसी ने आपकी कैसे मदद की?

सीए: आईआईटी कानपुर में एक शोध सहायक के रूप में अपने समय के दौरान, मैंने महसूस किया कि एसआईआईसी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अग्रणी इनक्यूबेटर है। एसआईआईसी के साथ हमारे संबंध के लिए धन्यवाद, हम आईसीएमआर(ICMR) से फंडिंग सुरक्षित करने में सक्षम हुए। हमारे सह-संस्थापक सत्येन्द्र चौधरी ने भी हमें आवश्यक धन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जीई(GE) और फिलिप्स (Philips) जैसी कंपनियां, जिन्होंने चिकित्सा उपकरणों को विकसित करके उन्नति की है,और वे हमारे प्रेरणा के स्त्रोत रहे हैं। हम नोकार्क (Noccarc) से भी प्रेरित थे, जो एक स्टार्टअप है जिसने कोविड-19 महामारी के दौरान एक वेंटिलेटर परियोजना पर काम किया था। उनकी सफलता को देखते हुए, हम आश्वस्त हो गए कि हम चिकित्सा उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में मदद कर सकते हैं। ऐसा करके, हम स्वास्थ्य सेवा उद्योग में सार्थक प्रभाव डाल सकते हैं और परिवर्तनकारी परिवर्तन ला सकते हैं।

> “हम स्वचालन और सुगमता का उपयोग करके स्वास्थ्य सेवा उद्योग में सकारात्मक प्रभाव डालना चाहते हैं। हमारी टीम की सामूहिक विशेषज्ञता और नवीन विचारों के साथ, हम चाहते हैं कि टीबी का शीघ्र पता लगाया जाए और उपचार सभी के लिए सुलभ और सस्ती हो।”

कार्यक्रम की झलकियां

इंडो-कोरियाई नॉलेज एक्सचेंज प्रोग्राम आयोजित किया गया

इंडो-कोरियाई नॉलेज एक्सचेंज प्रोग्राम को सियोल स्टार्टअप हब (Seoul Startup Hub), एआईआईडीई-सीओई (AIIDE-CoE), और स्टार्टइन यूपी (Startin UP) के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम नवाचार को बढ़ावा देने और दोनों पक्षों के संबंधों को मजबूत करने का सार्थक प्रयास था। सुश्री महिमा जिनाह किम, यूनिकॉर्न इनक्यूबेटर की संस्थापक और प्रबंधन साझीदार, ने इस दल का नेतृत्व किया, जिसमें एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञ भी शामिल थे। कार्यशाला सहयोग, ज्ञान का आदान-प्रदान करने और उपयोगी साझेदारी बनाने की वचनबद्धता के साथ समाप्त हुई।

और पढ़ें

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने 18 सितंबर को "Tech ki Baat" सत्र का आयोजन किया

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने 18 सितंबर को "Tech ki Baat" सत्र का आयोजन किया, इसका नेतृत्व डॉ निखिल अग्रवाल ने किया ,जिसमें श्री बेबार्स अल्टुंटास ने भाग लिया। चर्चा के दौरान भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर तकनीक और नवाचार क्षेत्र की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला गया।

और पढ़ें

'कचरा मुक्त भारत' के लिए स्वच्छता, नवाचार और स्थिरता को उत्प्रेरित करना

1 अक्टूबर को एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने राष्ट्रव्यापी स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2023 अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया इस अभियान को महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू गया था । अभियान के तहत एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने "**कचरा मुक्त शहरों के लिए स्टार्टअप गेटवे 2.0**" पहल का पुरजोर समर्थन किया ।

और पढ़ें

यू.पी. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो

सीएसआईआर-आईजीआईबी (CSIR-IGIB) के वैज्ञानिक डॉ. बीना पिल्लई, डॉ. सौविक मैती और श्री मुनीश पाल ने वर्तमान AI क्षेत्र में स्टार्टअप की भूमिका और सार्थकता को जानने के लिए यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में एआईआईडीई-सीओई (AIIDE-CoE) बूथ का दौरा किया। उद्घाटन के दिन, नेहा जैन आईएएस ने AIIDE-CoE & FIRST के सीईओ डॉ. निखिल अग्रवाल से बातचीत की ,इसी दौरान एग्रोनक्स्ट ने अपने उत्पाद का लाइव प्रदर्शन किया।

और पढ़ें

साइलेंट रूम हैकथॉन

22 अक्टूबर 23 को एनविर्या प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एंटी-एस्पियनागे (जासूसी विरोधी) रक्षा सुरक्षा के संबंध में एक साइलेंट रूम हैकथॉन का आयोजन किया गया था। इस हैकथॉन में छह प्रतिभाशाली टीमों ने विद्युत, ध्वनि और रेडियो स्रोतों से संकेतों को समझने और कॉर्पोरेट और सरकारी क्षेत्रों के लिए एक सुरक्षित वातावरण तैयार करने के लिए एक नवाचारी साइलेंट रूम को डिज़ाइन किया। अंत में, विजेताओं का ऐलान भी किया गया।

और पढ़ें

कार्यक्रम की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC) और MeitY ने स्टार्टअप के लिए एक जागरूकता वेबिनार की सह-मेजबानी की

एसआईआईसी (SIIC) और MeitY ने एक वेबिनार का आयोजन किया ,इस वेबिनार में स्टार्टअप्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर चर्चा की गई, जहां श्री रवि पांडे, अनुसंधान स्थापना अधिकारी, आईपीआर सेल, एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर, एक अतिथि वक्ता थे। वेबिनार में उन्होंने भारत में बौद्धिक संपदा अधिकारों के माध्यम से नवाचारों और विचारों को संरक्षित करने के महत्व पर चर्चा की।

और पढ़ें

लाइफ साइंस स्टार्टअप शिखर सम्मेलन

इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज, भुवनेश्वर ने 26 से 27 सितंबर, 2023 तक एक लाइफ साइंस स्टार्टअप शिखर सम्मेलन का आयोजन किया । श्री रवि पांडे, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालय, एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में प्रौद्योगिकी को मान्यता देने से पहले आविष्कारों को उच्च TRL स्तरों तक बढ़ाने और शैक्षणिक-उद्योग सहयोग को मजबूत करने के लिए हमें कार्य करना चाहिए ।

और पढ़ें

एसआईआईसी (SIIC) ने 'हेल्थ टेक आइडिएशन एंड इनोवेशन प्रोग्राम (एचआईआई) ~ सिंक' का आयोजन किया

एसआईआईसी (SIIC) ने 'हेल्थ टेक आइडिएशन एंड इनोवेशन प्रोग्राम (एचआईआई प्रोग्राम) ~ सिंक' का आयोजन किया। आईआईटी कानपुर में 9 सितंबर को बायोमेडिकल प्रॉब्लम स्टेटमेंट पिच का आयोजन किया गया, जहां एचआईआई (HII), स्पर्श (SPARSH) और शाइन (SHInE) के इनोवेटर्स ने नवाचारिक मेडिकल उपकरण प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई के विशेषज्ञ, प्रतिष्ठित बीएसबीई (BSBE) विभाग के प्रोफेसर और आईआईटी कानपुर डेवलपमेंट फाउंडेशन (IITKDF) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

और पढ़ें

एग्री टेक कार्यशाला

एसआईआईसी (SIIC) ने यूपी सरकार के सहयोग से "**Uttar Pradesh कृषि प्रौद्योगिकी Manthan**" एग्री टेक कार्यशाला का आयोजन किया, जहां विशिष्ट अतिथियों ने इन्क्यूबेशन केंद्र, चुनौतियों और सहयोगों पर विचार विमर्श किया। एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर को यूपी सरकार ने राज्य में चार नए कृषि-व्यवसाय इनक्यूबेटर के निर्माण में मदद करने के लिए चुना है ।

और पढ़ें

कार्यक्रम की झलकियां

आईआईटी कानपुर के सीईओ (CEO) ने BIRAC के एमडी से मुलाकात की

डॉ. निखिल अग्रवाल, सीईओ, फर्स्ट एंड एआईआईडीई-सीओई (CEO, FIRST & AIIDE-CoE), आईआईटी कानपुर, और सुश्री श्रेया सांघवी मलिक, एवीपी, फर्स्ट (AVP, FIRST), आईआईटी कानपुर, ने BIRAC के एमडी डॉ. जितेंद्र कुमार से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने **BIRAC BIG, SPARSH, BIRAC SEED** जैसे मौजूदा कार्यक्रमों पर चर्चा की और जैव-उद्यमिता में अवसरों तथा इससे संदर्भित भारत सरकार द्वारा रुपित राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर चर्चा की गई।

और पढ़ें

SIB SHiNE ने आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए

SIB SHiNE ने विभिन्न संस्थानों में आउटरीच इवेंट्स को आयोजित किया,ताकि युवा नवाचारकों को प्रेरित किया जा सके। इसकी रूपरेखा विशेष रूप से प्री-फाइनल और फाइनल ईयर के छात्रों को ध्यान में रखकर बनाई गई। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य मेडटेक मेडिकल तकनीक के क्षेत्र में युवा इनोवेटर्स के बीच जागरूकता को बढ़ाना था। इसमें डॉ. गौरव कुमार,गलगोटिया विश्वविद्यालय, डॉ. राहुल अमृतराज सिंह, राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान नोएडा, डॉ. स्मृति श्रीवास्तव ,एमिटी विश्वविद्यालय , नोएडा कैंपस और डॉ. सौरभ के. झा शारदा विश्वविद्यालय जैसे महत्वपूर्ण संस्थाओं से संबंधित लोग शामिल थे।

और पढ़ें

रक्षा क्षेत्र में डिस्क -एक्स (DISC-X) आउटरीच कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

रक्षा क्षेत्र में डिस्क -एक्स (DISC-X) आउटरीच कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। iDEX DIO के कार्यक्रम कार्यकारी श्री दिशांत लोढ़ा ने राष्ट्रीय रक्षा को बढ़ाने में iDEX और डिफेंस इंडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। यह आयोजन अनुदान, उपकरण पहुंच और iDEX के भीतर भागीदार इनक्यूबेटर नेटवर्क पर केंद्रित था, जिससे सुरक्षित और दूरदर्शी भविष्य के बारे में चर्चा हुई।

और पढ़ें

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने डिफेंस आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया।

एसआईआईसी (SIIC) के डिफेंस वर्टिकल ने राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, कन्नौज के B.Tech छात्रों के लिए iDEX चुनौतियों पर एक आउटरीच सत्र आयोजित किया। श्री अनिमेष मिश्रा और श्री विकाश प्रकाश ने भारत के रक्षा क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिस्क -एक्स (DISC-X), प्राइम(PRIME) और इंडस एक्स (INDUS_X) जैसी रक्षा नवाचार चुनौतियों में भाग लेने के लिए छात्रों का मार्गदर्शन किया। यह प्रयास मूलभूत स्तर पर नवाचार संस्कृति को बढ़ावा देते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देता हैं।

और पढ़ें

सफलता की कहानियां

अरिष्टि इन्फो लैब्स प्राइवेट लिमिटेड (Arishti Info Labs Pvt. Ltd.)

ने भारतीय वायु सेना के प्रतिष्ठित आइडेक्स डीआईओ डिस्क (IDEX DIO DISC) 9 चैलेंज # 07 में उन्होंने मल्टी-इंजन एंटी-वायरस समाधान के विकास में महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण जीत हासिल की।

और पढ़ें

napID साइबर सुरक्षा

एसआईआईसी(SIIC) का इनक्यूबेटेड स्टार्टअप, napID साइबर सुरक्षा के जेरो-ऑथ प्री-ऑथेंटिकेटर (Zer0-Auth Pre-Authenticator) को कोरिया के प्रमुख एक्सेलेरेटर सियोल फिनटेक लैब में शामिल किया गया है, जो सियोल मेट्रोपॉलिटन सरकार द्वारा वित्त पोषित है।

और पढ़ें

क्लाइमेक लैब्स (Climec Labs)

क्लाइमेक लैब्स (Climec Labs) को "आइडिएशन टू इंजीनियरिंग लीडरशिप" श्रेणी में प्रतिष्ठित नैसकॉम (NASSCOM) स्पॉटलाइट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उनके नवाचारी उत्पाद 'एरेम' एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है तथा यह अन्य स्टार्टअप्स समुदाय पर गहरा प्रवाभ डालती है।

और पढ़ें

सीएसआर इम्पैक्ट अवार्ड्स(CSR Impact Awards)

एसआईआईसी (SIIC) ने हाल ही में "नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण - कड़ा घाट पर आईघाट, कौशांबी, उत्तर प्रदेश" परियोजना के लिए 9वां डालमिया भारत सीएसआरबॉक्स सीएसआर इम्पैक्ट अवार्ड्स 2023 (Dalmia Bharat CSRBOX CSR Impact Awards 2023) जीता है। इस परियोजना को एसआईआईसी (SIIC) ने अपने इनक्यूबेटेड स्टार्टअप, एक्वाफ्रंट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड (एआईपीएल) के माध्यम से एनटीटी डेटा इंफॉर्मेशन प्रोसेसिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (NTT DATA Information Processing Services Pvt. Ltd.) से प्राप्त सीएसआर (CSR Fund) वित्तीय सहायता के द्वारा पूरा किया ।

और पढ़ें

यंत्रम मेडटेक प्राइवेट लिमिटेड(Yantram Medtech Private Limited)

यंत्रम मेडटेक प्राइवेट लिमिटेड,सीईओ, कनिका बंसल ने होस्पेक्स में पाइरेक्सिया (तेज बुखार) से संबंधित चुनौतियों को दूर करने के लिए नई तकनीकों को प्रस्तुत किया।

सफलता की कहानियां

सोशियोडेंट प्राइवेट लिमिटेड (SocioDent Private Limited)

सोशियोडेंट प्राइवेट लिमिटेड को 14वें NCPEDP-एमफैसिस यूनिवर्सल डिज़ाइन अवार्ड्स 2023 में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान कंपनी की प्रसांगिकता को दर्शाता है, जो सार्वभौमिक डिज़ाइन को बढ़ावा देने और समावेशी भविष्य को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है । सोशियोडेंट को लक्षद्वीप और नागालैंड सहित भारत भर के विभिन्न क्षेत्रों से आए पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं के साथ शामिल होने का गौरव प्राप्त हुआ।

एग्रोनेक्स्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (AgroNxt Services Private Limited)

एग्रोनेक्स्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने 21 से 25 सितंबर को आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में अपने नवीन 'भू परीक्षक' मिट्टी परिक्षण उपकरण का प्रदर्शन किया। यह उपकरण वास्तविक समय (Real Time) में मिट्टी विश्लेषण करता है,जिससे किसान फसल उत्पादन और भूमि प्रबंधन के बारे में सही निर्णय ले सके। यह स्टार्टअप यूपी सरकार और स्टार्टइन यूपी का आभारी है कि उन्होंने उन्हें इस उपकरण को प्रदर्शित करने का मौका दिया।

मनास्तिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (Manastik Technologies Private Limited)

मनास्तिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड ने विश्व अल्जाइमर दिवस, 21 सितंबर को बैंगलोर के NIMHANS कन्वेंशन सेंटर में भारत के सबसे बड़े न्यूरोलॉजी सम्मेलन IANCON 2023 में भाग लिया। उन्होंने कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री श्री दिनेश गुंडू राव के साथ बातचीत की। साथ ही साथ कर्नाटक ब्रेन हेल्थ इनिशिएटिव के लिए तकनीकी भागीदार के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त किया है।

मेदांत्रिक मेडटेक प्राइवेट लिमिटेड (Medantrik Medtech Private Limited)

मेदांत्रिक मेडटेक प्राइवेट लिमिटेड ने नोएडा में 21 से 25 सितंबर के बीच नोएडा में आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में अपने उत्पाद का प्रदर्शन किया । इस इवेंट में पांच लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया। साथ ही उन्होंने नोडेक्स नमक एक स्व-निदान और श्वसन उपकरण के विकास के लिए डीएसटी-निधि-प्रयास(DST-NIDHI-PRAYAS) से 10 लाख रुपये का वित्तीय अनुदान प्राप्त किया। इस उपकरण का उद्देश्य COPD और अस्थमा वाले रोगियों को सहायता प्रदान करना है।

अंक - 02 | संस्करण- 10 | अक्टूबर 2023

आगामी

अनुदान/कार्यक्रम/ कार्यशालाएं

ग्लोबल बायो-इंडिया 2023

8 नवम्बर 2023

कचरा मुक्त शहरों के लिए स्टार्टअप गेटवे 2.0

19 नवंबर 2023 अंतिम तारीख

और पढ़ें

आईडीईएक्स प्राइम एक्स(IDEX Prime X)

4 दिसंबर 2023 अंतिम तारीख

और पढ़ें

इनोवेटर्स कनेक्ट – टैंडम 2023

20 नवम्बर से 1 दिसम्बर 2023

और पढ़ें

पारिस्थितिकी तंत्र संवर्धक

कॉर्पोरेटसामाजिक उत्तरदायित्व

ICICI Securities
Ansys
NTT DATA
standard chartered
HDFC BANK
infoedge
CAPRI GLOBAL CAPITAL LIMITED
CUGL Central U.P. Gas Limited
citi
आरईसी REC
MCX METAL & ENERGY Trade with Trust
DANA
GREEN GAS LIMITED

ज्ञान

futureskills prime
A MeitY - NASSCOM Digital Skilling Initiative
DWIH New Delhi
land of ideas

उद्योग

FICCI
AiMED
Encouraging Responsible Manufacturing
Association of Indian Medical Device Industry

सेवा

aws
exotel
freshworks

अंतर्राष्ट्रीय

iit STARTUPS
Singapore Indian Chamber of Commerce & Industry
TORONTO BUSINESS DEVELOPMENT CENTRE

वित्तपोषण और पर्यवेक्षण

सत्यमेव जयते
DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY
Ministry of Science & Technology
Government of India

सत्यमेव जयते
Department of Science and Technology
Ministry of Science and Technology
Government of India

MeitY Startup Hub
iDEX Innovations for Defence Excellence

NIDHI BY DST
Entrepreneur-in-Residence
Powered by Venture Center

DSIR
DEPARTMENT OF SCIENTIFIC AND INDUSTRIAL RESEARCH

Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India

Ministry of Electronics and Information Technology
Government of India

UP START IN UP
A Government of UP Initiative

sidbi

बाइरैक
birac
Ignite Innovate Incubate

icmr
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
Serving the nation since 1911

GOVERNMENT OF UTTAR PRADESH

कृत्रिम बुद्धिमता संवर्धन

PELTARION

क्लीनिकल

AIG HOSPITALS
Narayana Health
Health for all. All for health.
Ruby Hall Clinic

अंक - 02 | संस्करण- 10 | अक्टूबर 2023

टेक्की बात

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

स्टार्टअप
इन्क्यूबेशन एंड
इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

www.siicincubator.com

सिडबी बिल्डिंग, सिक्स्थ एवेन्यू
आईआईटी कानपुर कल्याणपुर, कानपुर उत्तर
प्रदेश 208016

इनोवेशन हब, आईआईटी कानपुर आउटरीच सेंटर,
ब्लॉक सी, सेक्टर 62,
नोएडा